नसबंदी शिविरों में लापरवाही, लखनादौन सिविल अस्पताल में अराजकता

सरकारी फंड का बंदरबांट

लखनादौन नवभारत। सिविल अस्पताल में 12 फरवरी को आयोजित नसबंदी शिविर को जो कुछ भी हुआ, वह किसी भी सभ्य समाज को शर्मसार करने के लिए पर्याप्त है। सरकारी कागजों में नसबंदी शिविरों के लिए लाखों का बजट और उच्च स्तरीय सुविधाओं के गुलाबी दावे किए जाते हैं, लेकिन हकीकत में गरीब ग्रामीण महिलाओं को केवल एक सरकारी आंकड़े की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। सरकारी फाइलों में नसबंदी शिविरों के लिए भव्य इंतजाम के दावे किए जाते हैं, लेकिन लखनादौन सिविल अस्पताल की तस्वीरों ने इन दावों की पोल खोल दी है। सवाल उठ रहा है कि जब शासन हर महिला मरीज के लिए एक तय बजट भेजता है, तो फिर उन्हें भूखे पेट और बिना कंबल के फर्श पर क्यों सोना पड़ा?

नियमों के मुताबिक, नसबंदी के लिए आने वाली महिलाओं को ऑपरेशन के बाद हल्का नाश्ता और पौष्टिक भोजन दिया जाना जरूरी है। सरकार प्रति मरीज डाइट मनी देती है। लखनादौन में महिलाओं को रात तक एक निवाला नसीब नहीं हुआ। क्या अधिकारियों ने बजट बचाने के लिए मरीजों को भूखा रखा ? या फिर भोजन के नाम पर फर्जी बिल लगाने की तैयारी है? सरकार कैंप मैनेजमेंट और लॉजिस्टिक्स फंड के तहत बिस्तर, चादर और कंबलों के लिए अलग से फंड देती है। टेंट से गद्दे तो आए, लेकिन वे ठंडे फर्श पर बिछा दिए गए। कड़ाके की ठंड में अस्पताल एक कंबल तक नहीं दे पाया। मजबूरन महिलाओं को अपने घर से लाए पुराने और पतले चादरों में रात काटनी पड़ी। जब गद्दे किराए पर आ सकते थे, तो कंबल क्यों नहीं? क्या मरीजों की सेहत से ज्यादा जरूरी बजट की बचत करना था? अक्सर ऐसी अव्यवस्थाओं के पीछे फंड नहीं आया या पोर्टल नहीं चल रहा जैसे बहाने बनाए जाते हैं। लेकिन जानकार बताते हैं कि अस्पताल के पास आकस्मिक निधि होती है। आकस्मिक निधि का प्रयोग व्यवस्था बनाने में क्यों नही किया गया क्या बीएमओ के लिए पोर्टल की समस्या इतनी बड़ी थी कि उन्होंने 59 महिलाओं की जान जोखिम में डाल दी ? अगर फंड नहीं था, तो बिना इंतजाम के इतने बड़े स्तर पर ऑपरेशन क्यों किए गए ? सबसे बड़ा सवाल संवेदनशीलता का है। एक रिटायर्ड सर्जन से रात 10 बजे तक 59 ऑपरेशन करवाना यह साबित करता है कि विभाग के लिए महिलाओं की सुरक्षा से ज्यादा जरूरी टारगेट पूरा करना था ।

गाइडलाइन के अनुसार एक डॉक्टर दिन में केवल 30 ऑपरेशन कर सकता है, लेकिन यहाँ एक ही रिटायर्ड सर्जन से रात 10 बजे तक 59 ऑपरेशन कराए गए। जब इस अव्यवस्था पर ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर अशोक सहलाम से पूछा गया, तो उन्होंने सारा दोष डॉक्टर पर मढ़ते हुए कहा कि सर्जन लेट आए थे, इसलिए काम देर तक चलेगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि एक सर्जन 30 से ज्यादा ऑपरेशन कर सकता है, जो कि सरकारी नियमों के खिलाफ है हकीकत यह है कि लखनादौन सिविल अस्पताल में महिलाओं की गरिमा को फर्श पर बिछा दिया गया। जब तक इन लाखों के फंड का बारीकी से ऑडिट नहीं होगा और जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होगी, तब तक गरीब ग्रामीण मरीजों की जान ऐसे ही सरकारी आंकड़ों की भेंट चढ़ती रहेगी।

इनका कहना है

ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर अशोक सह्लाम से पूछा गया, तो उन्होंने सारा दोष डॉक्टर पर मढ़ते हुए कहा कि सर्जन लेट आए थे, इसलिए काम देर तक चलेगा।

स्कूल में शराब पीकर आराम फरमा रहे थे प्रधान पाठक

वीडियो वायरल, जांच शुरू

छपारा नवभारत। शिक्षा के मंदिर में करतूत! तखला एकाकृत माध्यमिक शाला प्रधान पाठक की करतूत सामने आई जिससे बाद हड़कंप मच गया दरअसल मामला छपारा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ताखला एकत्रित माध्यमिक शाला का है जहां के प्रभारी प्रधान पाठक सुरेश उईक का एक वीडियो वायरल हुआ था. जिसमें वह स्कूल समय के दौरान शराब के नशे में स्कूल के भीतर सो रहे थे. जिसका वीडियो ग्रामीणों ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया और संकुल प्राचार्य गंगेश बैस को भेज दिया. इसके साथ ही ग्रामीणों ने एक लिखित शिकायत पत्र भी सोपे जिस पर उन्होंने बताया कि शिक्षक हफ्ते में सिर्फ एक या दो ही दिन आते हैं स्कूल अतिथि शिक्षकों के भरोसे चल रहा है. इतना ही नहीं शराब के नशे में स्कूल आने के भी गंभीर आरोप लगाए हैं.जब इस मामले की शिकायत की जांच को लेकर शुक्रवार को छपारा जनपद शिक्षा केंद्र की टीम और संकुल प्राचार्य पहुंचे इसी दौरान जांच टीम को देखकर प्रभारी प्राचार्य जांच का सामना करने के बजाय वापस सरपट दौड़ गए. जिन्होंने जांच टीम का सामना नहीं किया. जांच टीम ने स्कूल में पहुंचकर अभिभावकों और ग्रामीणों के बयान दर्ज किए हैं. इस टीम में संकुल के प्राचार्य गंगेश बैस और जनपद शिक्षा केंद्र की टीम थी जिसे पूरे मामले की जांच कर प्रतिवेदन बनाकर अब अग्रिम कार्रवाई के लिए जनजातीय विभाग के सहायक आयुक्त को भेज दिया है वहीं आपको बता दें कि शुक्रवार के दिन से ही पांचवी और आठवीं की परीक्षाएं प्रारंभ हो चुकी है जिनमें प्रवेश पत्र में प्रभारी प्रचार के हस्ताक्षर होना होता है लेकिन वह जांच टीम को देखकर भाग गए अब देखना होगा इस पूरे मामले पर क्या कुछ कार्रवाई होती है।

एक नजर में

डीजे संचालको पर बरघाट पुलिस की कार्यवाही

सिवनी। पुलिस अधीक्षक सुनिल मेहता के द्वारा अवैध रूप से डीजे साऊण्ड प्रयोग कर शोरगुल करने वाले डीजे संचालको के विरुद्ध त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश प्राप्त हुये है जो अति. पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं अनु.वि.अधिकारी पुलिस ललित गठरे के मार्गदर्शन में नियम का उलघंन करने वाले डीजे संचालको के विरुद्ध लगातार सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना बरघाट सिवनी द्वारा वर्तमान में आयोजित बोर्ड परीक्षाओ छात्र-छात्राओ की समस्याओ को दृष्टिगत रखते हुये देर रात्रि में डीजे वाहन का संचालन बिना अनुमति के निर्धारित समय अवधि उपरांत तेज में डीजे बजाये जाने पर डीजे संचालको पर कार्यवाही की गई जिसमे ग्राम खूंट में 02 डीजे वाहनो को जप्त कि जाकर डीजे साउण्ड सिस्टम के संचालको पर 7/15 कोलाहल अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुये पृथक-पृथक अपराध पंजीबद्ध कर डीजे साऊण्ड सिस्टम व वाहन जप्त किये गये है।

शासकीय विधि महाविद्यालय में संगोष्ठी 24-25 को

सिवनी। संवैधानिक मूल्यों और लोककल्याणकारी राज्य की अवधारणा को सशक्त बनाने के उद्देश्य से शासकीय विधि महाविद्यालय, सिवनी द्वारा 24 एवं 25 फरवरी 2026 को दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष संगोष्ठी का केंद्रीय विषय लोककल्याणकारी राज्य के निर्माण में संवैधानिक व्यवस्था एवं मूल्यों का महत्व निर्धारित किया गया है। यह प्रतिष्ठित आयोजन प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, सिवनी के ऑडिटोरियम हॉल में संपन्न होगा। कार्यक्रम में देशभर के विधि विशेषज्ञ, शिक्षाविद, शोधार्थी एवं विद्यार्थी भाग लेकर समकालीन संवैधानिक मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श करेंगे। संगोष्ठी के दौरान सामाजिक न्याय, मानव गरिमा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य का अधिकार, पर्यावरण संरक्षण, लैंगिक समानता, न्यायपालिका की सक्रियता, संवैधानिक नैतिकता, खेल का अधिकार तथा लोककल्याणकारी राज्य के निर्माण में विधि एवं साहित्य की भूमिका जैसे ज्वलंत विषयों पर शोधपरक प्रस्तुतियां और संवाद आयोजित किए जाएंगे।

22 फरवरी को होगी प्रवेश चयन परीक्षा, एडमिट कार्ड वेबसाइट पर जारी

सिवनी। म.प्र. राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड (पूर्व म.प्र. राज्य ओपन स्कूल), स्कूल शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा आयोजित एकलव्य, आदर्श आवासीय विद्यालय, कन्या शिक्षा परिसर एवं महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान विद्यालयों की प्रवेश चयन परीक्षा 22 फरवरी को आयोजित की जाएगी। बोर्ड द्वारा परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र आधिकारिक वेबसाइट www.mpsos.nic.in पर अपलोड कर दिए गए हैं। अभ्यर्थी अपने पंजीयन विवरण दर्ज कर ऑनलाइन प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

बोर्ड ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे संबंधित विद्यार्थियों तक प्रवेश पत्र जारी होने की सूचना विभिन्न माध्यमों से पहुंचाएं। साथ ही स्थानीय समाचार पत्रों में नि:शुल्क विज्ञप्ति प्रकाशित कर अधिक से अधिक विद्यार्थियों को जानकारी उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है।

बैनगंगा की कोख में जहरीली खेती का जाल

छपारा नवभारत। जीवनदायिनी मानी जाने वाली बैनगंगा नदी इन दिनों मानवीय लालच और प्रशासनिक अनदेखी का शिकार हो रही है। छपारा क्षेत्र के अंतर्गत नदी के बीचों-बीच कैचमेंट एरिया (डूब क्षेत्र) में धड़ल्ले से की जा रही जहरीली खेती ने न केवल नदी के अस्तित्व को खतरे में डाल दिया है, बल्कि सिवनी शहर सहित आसपास के इलाकों की पेयजल सुरक्षा पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

नदी के बीचों-बीच बिछाया जा रहा खेती का जाल

विगत कई वर्षों से यह सिलसिला लगातार जारी है। स्थानीय दबंगों और रसूखदारों द्वारा नदी के सूखे हिस्सों और तटों पर अवैध रूप से कब्जा कर बड़े पैमाने पर फसलें उगाई जा रही हैं। वर्तमान में जहां जमीन को जोतकर खेती के लिए तैयार किया जा चुका है। इस खेती की सबसे डरावनी सच्चाई इसमें इस्तेमाल होने वाले घातक कीटनाशक और रासायनिक खाद हैं। पैदावार बढ़ाने के चक्कर में किसान भारी मात्रा में रसायनों का छिड़काव करते हैं, जो सीधे तौर पर नदी के बचे हुए जल में जाकर मिल जाता है।

जलीय जीव और पशु-पक्षी- प्रदूषित पानी के कारण मछली और अन्य जलीय जीवों की संख्या में भारी गिरावट आई है। साथ ही, नदी पर आश्रित पशु-पक्षी भी इस धीमे जहर का शिकार हो रहे हैं।

पेयजल संकट- छपारा और सिवनी शहर की प्यास बुझाने वाली यह नदी अब बीमारियों का स्त्रोत बनती जा रही है। यही दूषित जल फिल्टर प्लांटों के जरिए घरों तक पहुँच रहा है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। लगातार समाचार पत्रों में खबरें प्रकाशित होने के बावजूद सिंचाई विभाग और जिला प्रशासन ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। प्रशासन की इसी लचर व्यवस्था के चलते अवैध खेती करने वालों के हौसले बुलंद हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते इन गतिविधियों पर रोक नहीं लगाई गई, तो आने वाले दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाएगी।

हो सख्त कार्रवाई

क्षेत्रीय और स्थानीय निवासियों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभागों से मांग की है कि नदी क्षेत्र में हो रही इस अवैध और जहरीली खेती को तत्काल प्रभाव से बंद कराया जाए और दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि बैनगंगा के स्वरूप और लोगों की सेहत की रक्षा की जा सके।

दलित आदिवासी छात्रों ने जताया विरोध

सिवनी नवभारत। अनुसूचित जाति जनजाति छात्र संघ जिला सिवनी के तत्वाधान में कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह के समर्थन सिवनी कलेक्ट्रेट में जबर्दस्त प्रदर्शन किया गया जिसमें छात्र संघ ने मांग की कि विजय शाह के द्वारा एक भाषाई भूल हुई थी जिसे बाद में बढ़ा चढ़कर परोसा गया जिससे मंत्री विजय शाह के विरोध में माहौल तैयार हुआ ।

मंत्री शाह द्वारा दिए गए बयान पर उन्होंने खुद चार चार दफा माफी मांगी है लेकिन इसके बावजूद उनको ट्रोल किया जा रहा है जो कि इनके प्रति अपनाए जा रहे भेदभाव पूर्ण रवैए का उदाहरण है । विजय शाह आदिवासी समाज के एक प्रतिष्ठित व्यक्ति है जिन्होंने इस वर्ग के विकाश में महत्वपूर्ण योगदान दिया है कहीं न कहीं उनके आदिवासी होने के उनके नेतृत्वत को दबाने के लिए उनको पद से हटाने का प्रयास किया जा रहा है जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है ।

संघ ने मंत्री शाह द्वारा मांगी गई माफी को स्वीकार करते हुए इस प्रकरण को समाप्त किए जाने की मांग की । इस दौरान छात्र संघ के जिला अध्यक्ष सौरभ नाग , कुलदीप बड़कड़े , भूपेंद्र पूसाम , धनराज परते , मिथलेश धर्मक, विनय भलावी , जितेंद्र बाकोड़े , विशेष मरावी, नीलेश तेकाम , डाजेंड्र उइके , रवि सहित सैकड़ों छात्र उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का पुतला फूंका

सिवनी नवभारत। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश मरावी के आदेश पर जिले के सभी ब्लॉक मुख्यालयों में प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराने हेतु नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तनवीर अहमद के नेतृत्व में प्रदेश सरकार के संरक्षण में बेलगाम हुये सत्ता के नशे में चूर बडबोले भाजपा सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का पुतला दहन कर विरोध दर्ज किया गया। मध्यप्रदेश का पवित्र सदन विधानसभा में मंत्री विजयवर्गीय द्वारा प्रदेश के आदिवासी कांग्रेस नेता एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंघार को सदन के अंदर सरकार के बड़ बोले बेजुबान सत्ता के नशे में चूर मंत्री द्वारा जिस तरह से अमर्यादित शब्दो से सदन के अंदर नेताप्रति पक्ष की गरीमा के खिलाफ जाकर उन्हें डराने का काम किया गया, जिसकी जितनी निंदा की जाये कम है, इस घटना से प्रदेश का आदिवासी समाज को और कांग्रेस पार्टी को गहरा आघात पंहुचा है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय सत्ता के नशे में इतने अधीर और बावले हो चुके है कि उन्हें शब्दो के मर्यादाओं से कोई लेना देना नही है वह चाहे किसी को भी अपने अंदाज में डराने धमकाने का कार्य करना उनकी एक आदत सी बन चुकी है उन्होंने इसी तरह पूर्व में भी इंदौर की दूषित पानी की गंभीर घटना पर पत्रकारो से अपनी ओछी मानसिकता का परिचय दिया था। डॉ. मोहन यादव सरकार के संरक्षण के पोषक मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को प्रदेश की जनता से माफी मागते हुये मंत्री पद से स्तीफा दे देना चाहिये। इनके द्वारा लगातार जिस भाषाशैली का प्रयोग कर प्रदेश की जनता का अपमान किया जा रहा है वह क्षमा योग नही है, आने वाले समय में प्रदेश की जनता ऐसी सरकार और उनके नेता मंत्रियों को कभी मॉफ नही करेंगी।

इस अवसर पर जेपीएस तिवारी, हनीफ खान, सुरेन्द्र करोसिया, शिव सनोडिया, राजिक अकील, नब्बू खान, आदित्य मोन्टू भूरा, धनंजयसिंह, राहुल बघेल, रंजीत यादव, अमन सोहेल, जीशान खान, नितिन मिश्रा, गनी खान, रजनीश शेंडे, प्रहलाद चौहान, नरेश नामदेव, राकेश बघेल, अदनान खान, आसिम खान, अभिषेक डहेरिया, संदीप चौरसिया, माधव तिरैया, आशु आदव, आलोक बघेल, पीयूष कांड्रा, सतेन्द्र बघेल, तौसिर बेग, सुलतान खान, गोलू यादव की उपस्थिति रही।

आखिल भारतीय सिविल सेवा में एमपी की शानदार जीत

वन विभाग से प्रतिनिधित्व कर रहे खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

सिवनी नवभारत। दिल्ली में चल रही अखिल भारतीय सिविल सेवा के तहत खेले गए मुकाबले में झारखंड जैसी जबर्दस्त टीम को तीन दो से पछाड़ते हुए मध्य प्रदेश नें जीत हांसिल की

पहले हाफ मे झारखण्ड पूरी तरह हावी रहते हुए 2 गोल से आगे रही वही दूसरे हाफ मे अपनी खेल स्ट्रेटजी बदल कर मध्य प्रदेश नें दूसरे हाफ मे जब्बरदस्त वापसी करते हुए 3 गोल दाग कर मुकाबला अपने नाम कर लिया टीम के सेंटर फारवर्ड भूपेंद्र ठाकुर नें पहला गोल दाग कर टीम का होंसला बढ़ा दिया ,इसी क्रम मे अशोक इक्का और कोमल चौधरी नें भी एक एक और गोल दाग कर मध्यप्रदेश टीम को जीत दिलाई,

टीम के गोल कीपर अर्पित मिश्रा नें अपने शानदार प्रदर्शन से झारखण्ड के फारवर्ड खिलाड़ियों के कड़े प्रहारों को रोकते मैदान मे उपस्थित सभी का दिल जीता,

सभी खिलाड़ियों नें जब्बरदस्त प्रदर्शन कर मध्यप्रदेश टीम को जीत दिलाई। अब मध्य प्रदेश का अगला मुकाबला राजस्थान छत्तीसगढ़ से होगा।

श्रमजीवी पत्रकार संघ के घंसौर ब्लॉक अध्यक्ष बने गणेश राजपूत

घंसौर नवभारत। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के संभागीय अध्यक्ष मनीष जैन की सहमति से और प्रदेश अध्यक्ष श्री शलभ भदौरिया के निर्देश पर, जिला अध्यक्ष कृष्ण नन्दन श्रीवास्त्री की अनुशंसा के बाद जिला महासचिव कन्हैया प्रजापति ने समर्थ सहारा न्यूज़ चैनल. एवं दैनिक चौथा चक्र अखबार के जिला संवाददाता गणेश राजपूत को श्रमजीवी पत्रकार संघ घंसौर का ब्लॉक अध्यक्ष घोषित किया है। राजपूत लंबे समय से मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ से जुड़े हुए हैं. साथ ही क्षेत्र की समस्याओं. एवं जनहित के मुद्दों को अपनी लेखनी के माध्यम से समय-समय पर शासन प्रशासन और सरकार के समक्ष लाकर अपनी जिम्मेदारियां का निर्वहन करते चले आ रहे हैं।

बैठक | छपारा जनपद के शासकीय प्राथमिक शाला करेली का मामला

शासकीय स्कूल के बच्चों को शिक्षक ने लाठी से पीटा, अभिभावकों ने की शिकायत

छपारा नवभारत। सिवनी जिले के छपारा विकासखंड से शिक्षक द्वारा स्कूल के बच्चों को लाठी से मारपीट का मामला प्रकाश में आया है। ज्ञात हो कि जनपद क्षेत्र के केरली ग्राम के एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला अंतर्गत प्राथमिक शाला में पदस्थ एक शिक्षक द्वारा कक्षा 5वीं के मासूम छात्रों के साथ लाठी से मारपीट करने का गंभीर आरोप लगा है। बताया जाता हैं कि घटना बीते दिनों 17 फरवरी की बताई जा रही है। जिस पर ग्रामीणों द्वारा विकासखंड अधिकारी को सौंपे गए शिकायती पत्र के अनुसार, प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक महफूज अंसारी ने मासूम बच्चों को लाठी से इतनी बेरहमी से पीटा कि उनके शरीर पर लाठी के निशान उभर आए हैं। साथ ही डरे-सहमे बच्चे अब उक्त शिक्षक की क्लास में बैठने से भी कतरा रहे हैं और रो-रोकर अपनी आपबीती सुना रहे हैं। जिस पर ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने इस पूरी घटना का वीडियो भी बनाया है। आक्रोशित ग्रामवासियों ने संकुल केंद्र केकड़ा के माध्यम से प्रशासन से मांग की है कि उक्त शिक्षक पर तत्काल उचित कार्रवाई की जाए और उसका स्थानांतरण कर स्कूल में किसी अन्य शिक्षक की व्यवस्था की जाए ताकि बच्चों का भविष्य और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

इनका कहना है

मामला हमारे संज्ञान में आते ही तत्काल स्कूल के प्राचार्य और संकुल प्रभारी को मामले की जांच के लिए आदेशित किए गया था, जांच के बाद रिपोर्ट बनाकर उच्चाधिकारियों को सौंप दिया गया।

रविशंकर ठाकुर, बी आर सी सी छपारा

जानकारी मिलते ही तत्काल जॉच के आदेश दिए गए थे, जांच रिपोर्ट को सहायक आयुक्त महोदय को सौंप दी गई जिस पर उन्होंने शिक्षक महफूज अंसारी को तीन दिन का समय दे कर अपना पक्ष रखने की बात कहीं।

राकेश दुबे, बीईओ छपारा

ग्रामीण क्षेत्र में क्रिकेट का जुनून, जोगीवाड़ा ने जीता पहला पुरस्कार

छपारा नवभारत। जनपद पंचायत छपारा के अंतर्गत ग्राम पंचायत इमली पठार के ग्राम भाडतेंदनी में विगत कुछ सप्ताह से क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा था, जिसमें आसपास ग्रामीण क्षेत्रों की कई टीमों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

वहीं गत दिनों 18 फरवरी को जनपद पंचायत छपारा अध्यक्ष सदम सिंह के मुख्य अतिथि में प्रतियोगिता का फाइनल मैच खेला गया जहां जोगीवाडा की टीम ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए फाइनल मैच में भाडतेंदनी की टीम को हराया और प्रथम पुरस्कार जीता खेल में अच्छे प्रदर्शन के लिए द्वितीय पुरस्कार भाडतेंदनी की टीम को दिया गया इस प्रतियोगिता में विशेष अतिथि के रूप में रावेन शाह उईके, संतराम भलावी, सकत धुर्वे, शिवदयाल उईके लालचंद धुर्वे,आमिर खान, रामकुमार धुर्वे पुनाराम तिलगाम,सम्पत तिलगाम सेवक राम एवं आयोजक समिति सहित क्षेत्र के क्रिकेट प्रेमी बड़ी संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित रहे ।